study time

Date: 22/2/2020

की सोच को अधिक मजबूत करने के लिए पूरक के रूप में।

(ii) विज्ञान में उपयोग किए जाने वाले उपकरण तकनीक एवं तौर-तरीके की जानकारी देने के लिए तथा इसके प्रयोग में कुशलता बढ़ाने के लिए।

(iii) अवलोकन, विश्लेषण, अंकन तथा व्याख्या करने के अनुभव के द्वारा सामान आलोचनात्मक मानसिक स्थिति का विकास करना।

(iv) छात्रों की अमूर्त धारणाओं के बारे में सोचने की शक्ति बढ़ाने के लिये।

कलात्मक सोच का विकसित हो सके।

2. शुलमन एवं तामीर के अनुसार :-
शुलमन एवं तामीर के अनुसार प्रयोगशाला के निम्न उद्देश्य हैं -

(i) धारणाओं की समझ एवं मानसिक योग्यताओं का विकास करने के लिये।

(ii) वैज्ञानिक विचारधारा एवं वैज्ञानिक विधि (कल्पना करना, परिकल्पना करना) आदि को बढ़ावा देने के लिए।

(iii) सृजनात्मक सोच एवं समस्या का समाधान करने की योग्यता का विकास करना।

(iv) विज्ञान में रुचि, मनोवृत्ति, उत्सुकता, खुला दिमाग आदि जाग्रत करना तथा बनाये रखना।

(v) प्रायोगिक योग्यताएँ जैसे अनुसंधान की रूपरेखा बनाना तथा उस पर अमल करना, अवलोकन, आँकड़े लेना, विश्लेषण तथा परिणाम निकालना आदि का विकास करना।

अन्य सामान्य उद्देश्य :-

(i) व्याख्यान एवं अन्य विधियों से जो कक्षा में पढ़ाया गया उससे सम्बन्धित धारणाओं तथा सिद्धान्तों में विद्यार्थियों

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

Dr. Rajesh Verma, Assistant professor and Head, U.G. Department of Zoology D.K. College Dumraon (Buxar). Notes for B.Sc (1/2/3) zoology Honours-practical concept.

Q:- व्याख्यान कक्ष का निर्माण कैसे हो सकता है। संक्षिप्त में वर्णन करें।

Ans:-

व्याख्यान कक्षा की योजना